भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1415

गुरुवार, 14 दिसम्बर, 2023/23 अग्रहायण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

देश में पर्यटन स्थलों का विकास

1415 श्री धनंजय भीमराव महादिक:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश को पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने में सफल रही है;

(ख) यदि हां, तो सरकार को देश को 365 दिनों के पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने और संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा देने में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) क्या सरकार विदेशी पर्यटकों और देश में पर्यटन के विकास हेतु कोई योजना बनाने का विचार रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) भारत की विविधता और समृद्ध विरासत को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा अन्य कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं ताकि पर्यटकों के लिए स्वर्ग के रूप में इसकी स्थिति को फिर से स्थापित किया जा सके?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'स्वदेश दर्शन' 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत 5294.11 करोड़ रु. की राशि से कुल 76 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। प्रशाद योजना के तहत 1629.17 करोड़ रु. की राशि से कुल 46 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। 2014-15 से 2023-24 (अब तक) की अवधि के दौरान केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत 780.92 करोड़ रु. की राशि से कुल 54 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) में परिवर्तित किया है। राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत विकास के लिए अब तक 32 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 55 गंतव्यों को चिह्नित किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक मौसमीपन से निपटने और भारत का 365 दिन यात्रा करने योग्य पर्यटक स्थल के रूप में संवर्धन करने के लिए निम्नलिखित निश पर्यटन उत्पादों को चिह्नित किया है:-

- क्रूज
- एडवेंचर
- चिकित्सा और निरोगता
- गोल्फ
- पोलो
- बैठके पहलें सम्मेलन और प्रदर्शनियाँ (एमआईसीई)
- इकोपर्यटन-
- फिल्म पर्यटन
- स्थायी पर्यटन
- ग्रामीण पर्यटन

निश पर्यटन उत्पादों की पहचान और संवर्धन से विशेष रुचि वाले पर्यटकों को आकर्षित करने और जिन विशिष्ट उत्पादों में भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों से तुलनात्मक लाभ है, उनकी बार-बार यात्रा सुनिश्चित करने में सहायता करते हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन के लिए भारत को एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए स्थायी पर्यटन हेतु एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने ट्रैवल फॉर लाइफ अभियान शुरू किया है जिसका लक्ष्य पर्यटन संसाधनों की खपत हेतु पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों के लिए उठाए गए सुविचारित और सुनियोजित कदमों के माध्यम से स्थायी पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति के अनुसार स्थायी पर्यटन का संवर्धन करना है।

पर्यटन मंत्रालय वैश्विक पर्यटन बाज़ार में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाने हेतु देश के विविध भारतीय उत्पादों और पर्यटन गंतव्यों को प्रोत्साहित करने के लिए पर्यटन सृजनकारी बाज़ारों में भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है।

उपर्युक्त उद्देश्यों को एकीकृत विपणन तथा संवर्धनात्मक कार्यनीति और यात्रा व्यापार जगत, राज्य सरकारों और भारतीय मिशनों के सहयोग से एक समन्वित अभियान के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। सरकार भारत के विविध पर्यटन उत्पादों को प्रोत्सोहित करने के लिए औद्योगिक विशेषज्ञों और अन्य संबंधित हितधारकों से उनके सुझाव और प्रतिक्रिया लेने के लिए लगातार उनके सम्पर्क में रहती है। आगंतुको के आगमन को बढ़ाने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने ''अतुल्य भारत! विजिट इंडिया वर्ष 2023'' घोषित किया है।

पर्यटन मंत्रालय के अनुरोध पर विदेश मंत्रालय ने इन महत्वपूर्ण बाज़ारों में भारत का एक पर्यटन गंतव्य के रूप में संवर्धन करने के लिए विदेशों में स्थित 20 भारतीय मिशनों में पर्यटन अधिकारियों को नियुक्त किया है।

****